ज़रा सामने तो आओ श्याम जी मेरी नईया, पड़ी मझधार है

धुन- ज़रा, सामने तो आओ छलिए

ज़रा, सामने तो, आओ श्याम जी,
मेरी नईया, पड़ी मझधार है,
आज, रो रो, पुकारे मेरी आत्मा,
एक तूँ ही, मेरा आधार है ॥
ज़रा, सामने तो, आओ श्याम जी...

तेरे बिन मैं, पार प्रभु जी,
भव से, कभी नहीं हो सकती ।
तेरे बिना मैं, इस जीवन में,
सुख से, कभी न सो सकती ॥
तेरे हाथों में, मेरी पतवार है,
एक तूँ ही, मेरा रखवार है,
आज रो रो, पुकारे...

डगमग डगमग, नाव ये मेरी,
कभी इधर, कभी उधर हिले ।
तेरी होवे, कृपा की नज़र तो,
भव सागर, से पार लगे ॥
अब तूँ ही, मेरी सरकार है,
इस दिल को, अब तेरा इंतजार है,
आज रो रो, पुकारे...

गीता में जो, वचन दिया था,
उस को, प्रभु जी, याद करो ।
राधा सखी की, बीच भँवर से,
आ कर, नईया, पार करो ॥
इन नयनों में, आँसुओं की धार है,
तन मन धन, तुझ पे न्योछार है,
आज रो रो, पुकारे...

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33817/title/zara-samne-to-aao-shyam-ji-ek-tu-hi-mera-adhar-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |